Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 27 जून, 2023

मशरूम की खेती से असम के कोकराझार ज़िले में उल्लेखनीय प्रगति

'एक ज़िला एक उत्पाद' पहल और **वर्ष 2021 में शुरू किये गए मशरूम मिशन** को संरेखित करने तथा **मध्याह्न भोजन योजना** में मशरूम की शुरुआत के कारण मशरूम उत्पादन में काफी वृद्धि देखने को मिली है। असम के कोकराझार ज़िले ने इस संदर्भ में उल्लेखनीय प्रगति की है। बच्चों के भोजन में पोषक तत्त्वों से भरपूर मशरूम को शामिल करने से **कम वज़न वाले, कमज़ोर** और **एनीमिया** से पीड़ित बच्चों की संख्या में क्रमशः **56%, 55% तथा 76% की कमी आई है।** इस ज़िले में **मातृ मृत्यु** दर में भी **72.37% और शिशु मृत्यु दर में 30.56% की कमी आई है।** मशरूम अत्यधिक पौष्टिक होता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। इसमें कैलोरी और वसा की मात्रा कम होती है जिस कारण यह **वज़न प्रबंधन के लिये एक बेहतर विकल्प के रूप में माना जाता है।** मशरूम विटामिन एवं खनिजों का एक समृद्ध स्रोत है, जिनमें **विटामिन बी, तांबा, सेलेनियम और पोटेशियम** शामिल हैं। मशरूम **पाचन तंत्र को बेहतर बनाने** और प्रतिरक्षा प्रणाली को मज़बूती प्रदान करने वाले **डायटरी फाइबर** और **एंटीऑक्सीडेंट** भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त मशरूम हड्डियों के स्वास्थ्य के लिये आवश्यक विटामिन डी के कुछ **गैर-पशु स्रोतों** में से एक है।

DPCGC ने OTT प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की

हाल ही में **भारत में ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट प्रदाताओं (OCCPs) के लिये एक स्व-नियामक निकाय, डिजिटल प्रकाशक सामग्री शिकायत परिषद (DPCGC)** ने स्पष्ट और अश्लील सामग्री प्रसारित करने हेतु ओवर-द-टॉप (OTT) प्लेटफॉर्म **ULLU** के खिलाफ कार्रवाई की है। **सर्वोच्च न्यायालय** के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी की अध्यक्षता में परिषद ने **सूचना प्रौद्योगिकी नियमों (2021)** के उल्लंघन तथा एक असंतुष्ट दर्शक द्वारा उठाई गई शिकायतों का हवाला देते हुए 15 दिनों के भीतर ऐसी सामग्री को हटाने की मांग करते हुए एक आदेश जारी किया। DPCGC **उपभोक्ता शिकायतों और सामग्री से संबंधित मुद्दों का समाधान** करता है। यह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत काम करता है तथा **सरकार द्वारा निर्धारित आचार संहिता व नियमों को लागू** करता है। DPCGC में एक **OCCP परिषद और एक शिकायत निवारण बोर्ड शामिल है।**

और पढ़ें... ओवर-द-टॉप (OTT) प्लेटफॉर्म, ओवर-द-टॉप की चुनौतियाँ

पौधों में मिला फाइबोनैचि सर्पिल

एक हालिया अध्ययन ने आम धारणा पर प्रश्न उठाया है **कि पौधे प्राचीन एवं सुसंगत प्रारूप को प्रदर्शित करते हैं जिन्हें फाइबोनैचि सर्पिल के रूप में जाना जाता है।** इन सर्पिलों को **पत्तियों एवं प्रजनन संरचनाओं सहित पौधों के विभिन्न भागों** में देखा जा सकता है। हालाँकि 407 मिलियन वर्ष प्राचीन जीवाश्म पौधों का अध्ययन करने वाले शोधकर्त्ताओं ने पाया **कि इस विशेष प्रजाति में सर्पिल फाइबोनैचि अनुक्रम के अनुरूप नहीं थी। फाइबोनैचि अनुक्रम संख्याओं की एक शृंखला है जिसमें प्रत्येक संख्या दो पूर्ववर्ती संख्याओं का योग होती है।** यह अनुक्रम 0 और 1 से शुरू होता है तथा प्रत्येक बाद की संख्या उसके ठीक पहले की दो संख्याओं को जोड़कर प्राप्त की जाती है। यह अनुक्रम इस प्रकार शुरू होता है: 0, 1, 1, 2, 3, 5, 8, 13, 21, 34, 55, 89 इत्यादि। नई खोज से पता चलता है कि **शुरुआती पौधों में सर्पिल व्यवस्था का एक भिन्न प्रारूप था जिसमें गैर-फाइबोनैचि सर्पिल अधिक प्रचलित थे।** यह दर्शाता है कि **पत्ती व्यवस्था वाले और फाइबोनैचि सर्पिल के विकास का कुछ पौधों के समूहों में एक अलग इतिहास रहा है** जैसे कि **क्लबमॉस** जो फर्न (सुंदर बारीक पत्तियों वाला एक पौधा) तथा **फूल वाले पौधों** जैसे अन्य जीवित पौधों के समूहों से भिन्न है। यह शोध खोज कार्य या गतिविधि के नए रास्ते खोलता है तथा प्रकृति में मौजूद इन प्रारूपों की व्यापकता के रहस्य को जानने में सहायता कर सकता है।

//

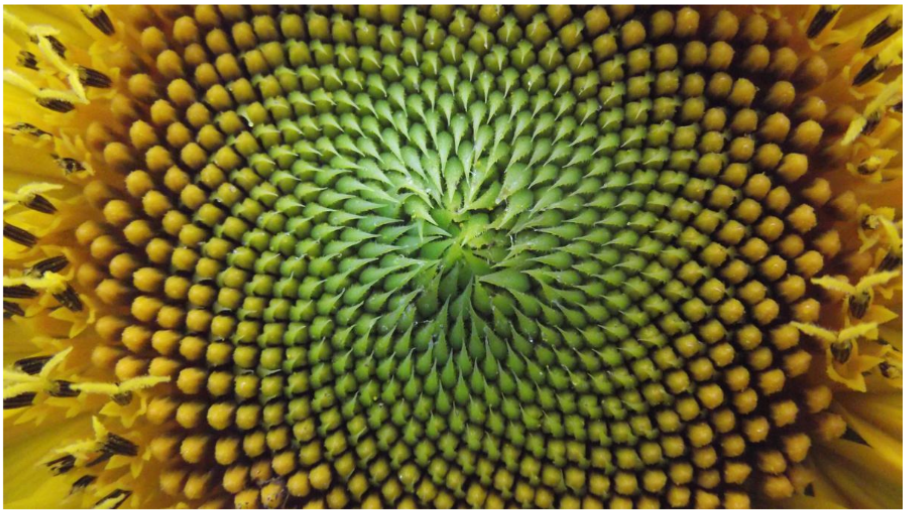

The characteristic of being arranged in spirals that adhere to a numerical sequence called the Fibonacci sequence. | Photo Credit: The Hindu

REAI

चंद्रयान-3 में चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के नाम बरकरार रहेंगे

चंद्रयान-2 मशिन के दुर्भाग्यपूर्ण परणािमों, जसिमें वकि्रम नाम का लैंडर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडगि के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, के बाद भारतीय अंतरकि्ष अनुसंधान संगठन **(ISRO)** ने अगले **चंद्रयान-3 मशिन** के लैंडर और रोवर के लयि समान नामों का उपयोग करने के अपने नरि्णय की घोषणा की है। **चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम भारत के** अंतरकि्ष कार्यक्रम के प्रमुख व्यक्त‍ि **वकि्रम साराभाई के सम्मान में 'वकि्रम' रखा जाएगा, जबक‍ि रोवर को 'प्रज्ञान' कहा जाएगा**। लॉन्च जुलाई 2023 के मध्य में नर्धिारति है और मशिन लैंडर, रोवर एवं प्रोपल्शन मॉड्यूल पर वभिन्नि पेलोड के माध्यम से प्रयोग करेगा तथा डेटा एकत्र करेगा।

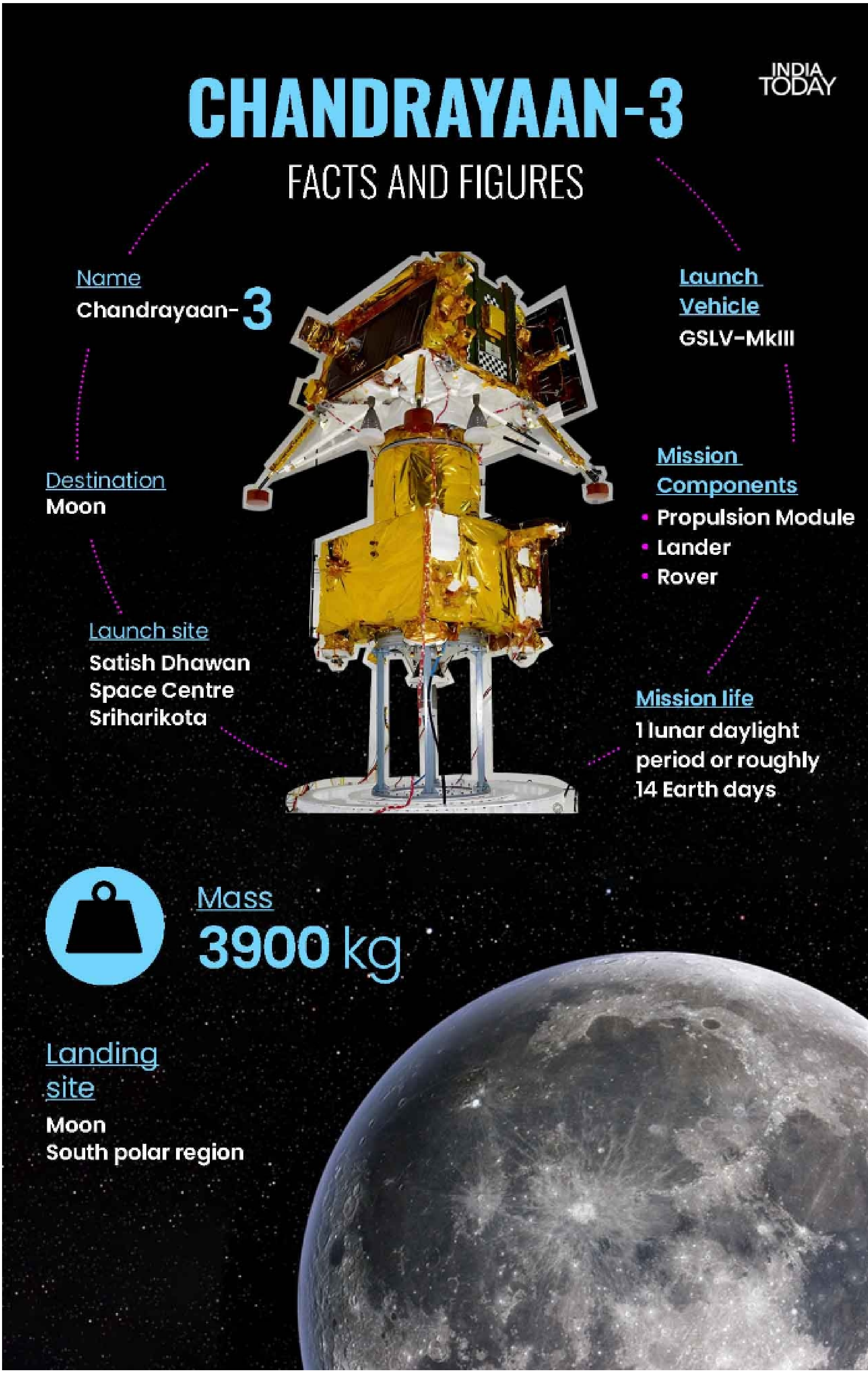
INDIA TODAY
CHANDRAYAAN-3
FACTS AND FIGURES
Name
Chandrayaan-3
Launch Vehicle
GSLV-MkIII
Destination
Moon
Mission Components
• Propulsion Module
• Lander
• Rover
Launch site
Satish Dhawan Space Centre Sriharikota
Mission life
1 lunar daylight period or roughly 14 Earth days
Mass
3900 kg
Landing site
Moon
South polar region

और पढ़ें... भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, चंद्रयान-3 मिशन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-27-june-2023